कविता यादों में

आओ मिलकर दीप जलाए उन वीर शहीदों की यादों में

जिनके कदम न लड़खड़ाए कभी आंधी तूफानों मेंए

जो कभी न घबराए जंग के मैदानों मेंए

आओ मिल कर दीप जलाए उन वीर शहीदों की यादों में

जिन्होंने कभी न झुकने दिया हिमालय के शीश कोए

जिन्होंने सदा आसमा में फैराए रक्खा भारत के तिरंगे कोए

जिन्होंने बाहर खदेड़ फैंका दुश्मनों कोए

आओ मिल कर शीश नवाए उन वीरों के सामनेए

आओ मिल कर दीप जलाए उन वीर शहीदों की यादों में

है नमन हमारा उन वीरों को जो दर्द में भी मुस्काते रहेण्

है नमन हमारा उन वीरों को जो खतरा देख भी ना घबराएण्

है नमन हमारा उन वीरों को जिन्होंने जान से पहले वतन को सर्वोपरि रक्खाए

है नमन हमारा उन वीरों को जिन्होंने दुश्मनों के इरादों को नाकाम कियाए

है नमन हमारा उन वीर शहीदों को जिन्होंने देश पर खुद को कुर्बान कियाए

आओ मिलकर यह संकल्प करेए जाया ना होने देंगे उन वीरों की शहाद्तों कोण्

श्रेया मेरा दिल यही बार बार कहता हैण्

आओ मिल कर दीप जलाए उन वीर शहीदों की यादों में

जय हिंद जय भारत!!

/ श्रेया रानी

Gupta rani (Blind Student)